## राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 23 स्रप्रैल, 1982

कमांक 518-ज(II)-82/14035.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के धानुसार सीप गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती तिवेणी, विधवा श्री गिरवर सिंह, गांव बहुलाणा, तहसील व जिला गृहगाव, को रबी, 1981 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के धानुसार सहबं भवान करते हैं।

ऋमांक 548-ज-(II)-82/14039 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आंज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री छोटे राम, पुत्र श्री अभे राम, गांव मुहाना, तहसील व जिला सोतीपत को रबी, 1973 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वाजिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाजिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमीक 522-ज (II) -82/14044. - पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुक्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल जमादार श्री चन्द, पुत्र श्री भरतू, गांव खेड़ी जाट, तहसील अज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में वी गई शतों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

कमांक 584-ज(II)-82/14048.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रयनाया गया है भौर उसमें ब्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ब्रनुसार सींपे गए ब्रिक्कारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सित राम, पुत्र श्री शेरा, गांव राजपुर, तहसील व जिला सोनीपत, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 520-ज(II)-82/14052.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आफ तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के धनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री कली राम, पुत्र श्री सोहन लाल, गांव सोलधा, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, को रवी, 1973 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में थी गई, शर्तों के धनुसार सहर्ष प्रधान करते हैं।

क्रमांक 566-ज-(II)-82/14056.—श्री श्रजीत सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह, गांव रोहना, तहसील व जिला रोहतक, की दिनोक 30 श्रक्तूबर, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीध- नियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपमाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया हैं) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तिमों का प्रयोग करते हुए श्री अजीत सिंह को मुब्बिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक 3667-र(III)-70/14380, दिनोक 30 जून, 1970 तथा प्रिष्ठसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनोक 8 विस्किंगर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विश्वता श्रीमती भगवानी देवी के नाम रबी, 1979 से 150 रुपये विधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की रूर से सनद में दी गई शर्तों के प्रावर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 570-ज-(II)-82/14064 — श्री रामकला, पुत्र श्री जोहरी, गांव लोहारहेड़ी, तहसील बहादूरगढ़, जिला रोहतक, की दिनांक 5 दिसम्बर् 1977 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामकला को मुल्लिक 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 421-ज-(II)-76/11319, दिनांक 15 अप्रैल, 1976 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती पूरो देवों के नाम रबी, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपो वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपो वार्षिक की दर से साद में दी गई शारी के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।